



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 159]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 17, 1983/भाद्र 26, 1905

No. 159]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1983/BHADRA 26, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paving is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वार्षिक भवानय

निर्वाचन व्यवस्था नियंत्रण

मार्वर्जिनिक मञ्चना म 42-ईटीमी(पीएन)/83

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1983

विषय — 1983-84 वर्ष के लिए रेशम के अपशेष के लिए नियंत्रित
नीति ।

मि म 2/19 83-ई-1 —1983-84 के लिए आयार-
नियंत्रित नीति (जिल्द-2) की पृष्ठ स 22 पर की क्रम स 62(3)
(ग) के भागने के कालम १ वी क्रम स. (2) म सक्रीयत साफ
किए हुए और डिग्रेड रेशम अपशेष महित शहतूत के रेशम क
अपशेष वी नियंत्रित की ओर ध्यान दिलाया जाता है । यह
रणनीति किया जाता है कि चरखा अपशेष के नियंत्रित के लिए
प्राप्त व्यवस्था के लिए म्पन गिल्क मिलो वां गम्भरण किए
जाने वाले रेशम अपशेष म दोनों उत्तम कटीर बैमिन अपशेष
उत्तम शहतूत कटीर नीति व्यवस्था के अपशेष और चरखा
अपशेष भी शामिल होंगे । मरकारी म्पन गिल्क मिलो द्वारा
कियी गई व्यवस्था के रेशम अपशेष वी मजरी गम्भरक की 4
के अन्तर्गत में चरखे के रेशम अपशेष के नियंत्रित के लिए हकदार
बनाएगी । तदनुसार नीति विवरण की क्रम स 62 (3) (ग)

के भागने के कालम 3 की क्रम म (2) पर की वर्तमान लाइसेंस
नीति को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा —

“(2) शहतूत के रेशम अपशेष और गंसाधित रेशम अप-
शेष से भिन्न चरखे के शहतूत रेशम अपशेष के संबंध
में ४-१, वर्धात् मरकारी म्पन गिल्क मिलो की
१ किलोग्राम रेशम अपशेष वर्धात् शहतूत कटीर
बैमिन/घरेलू अरबी अपशेष/या चरखा अपशेष के
सम्भरण के मद्देद सम्भरक को संभाधित रेशम से
भिन्न ४ कि ग्रा शहतूत के रेशम अपशेष का
नियंत्रित करने का हक होगा ।”

2 गह भी स्टाट किया जाना है कि यदि क्रम म 62(3)
(ग) (4) के भागने निर्दिष्ट एवं वर्द्ध की हकदारी लाइसेंस वर्ष
वी गमान्ज स आग जब सम्भरण किया जाए तब तक बढ़ाई जाती
है तो नियंत्रण वो यह हक होगा कि वह अगली लाइसेंस अवधि
के दौरान भी उसी अन्तराल मा रेशम के अपशेष का नियंत्रित कर सक
जो अनपात उम कर्ण के दौरान लाग था जिसमें रेशम की मिलो को
गम्भरण किया गया था बशर्ते कि ठका वही हो और माल
परवण के पोनलदान के लिए प्रतीक्षा की जा रही हो जैसा कि
मार्वर्जिनिक मञ्चना म 32-ई टी मी (पी.एन.)/83 दिनांक
25-7-1983 में बताया गया है ।

आजनन्द ममा अपर मर्चिव

MINISTRY OF COMMERCE
EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 42-ETC(PN)/83

New Delhi, the 17th September, 1983

Subject :—Export Policy for Silk Waste for the year 1983-84.

F.No.2/19/83-EI :—Attention is invited to the Export Policy of Mulberry Silk Waste including cleaned and degummed Silk Waste indicated at S. No. (ii) in column 3 against S. No. 62(iii)(c) at page 22 of Volume-II of Import and Export Policy 1983-84. It is clarified that the "Silk Waste" to be supplied to the Spun Silk Mills for acquiring eligibility to export Charkha Waste, will include both superior cottage basin waste viz., Mulberry Cottage Basin|Domestic Filature waste and Charkha waste. Acceptance of any variety of Silk Waste by the Government Spun Silk Mills will entitle the supplier to export Charkha Silk Waste in the ratio of 4 : 1. Accordingly the existing licensing policy at S. No. (ii) indicated in Col. 3 against

S. No. 62(iii)(c) of the Policy Statement shall be substituted by the following :—

"(ii) 4 : 1 in respect of Mulberry Charkha Silk Waste, other than Mulberry Silk Waste and processed Silk Waste i.e. against the supply of 1 kg. of Silk Waste viz. Mulberry Cottage basin/domestic filature waste and/or Charkha Waste to the Government Spun Silk Mills, the supplier will be entitled to export 4 kg. of Mulberry Charkha Silk Waste other than processed Silk Waste."

2. It is also clarified that if the one year entitlement indicated at S. No. 62(iii) (c) (iv) extends beyond the expiry of licensing year, when the supply was made, the exporter shall be entitled to export Silk Waste even during the next licensing period at the same ratio which was applicable during the year when supply was made to the Silk Mills provided the contract is the same, and consignment is awaiting shipment as per Public Notice No. 32-ETC(PN)/83 dated 25-7-1983.

ANAND SARUP, Addl. Secy.